

सुदर्श वि. (तत्.) सुदर्शन।

सुदर्शक पुं. (तत्.) एक प्रकार की समाधि।

सुदर्शन वि. (तत्.) प्रियदर्शन, जो देखने में बहुत अच्छा और भला लगे, सुंदर, जिसका दर्शन सहज सुलभ हो पुं. 1. भगवान विष्णु का चक्र 2. शिव 3. एक बड़ा और सफेद फूल या उसका पौधा 4. एक आयुर्वेदिक चूर्ण, जिसका प्रयोग विषम ज्वर में होता है 5. मछली 6. जामुन 7. जंबूद्वीप 8. सोमकता, एक प्रकार की संगीत रचना 9. गिट्ट 10. संन्यासियों का एक दंड जिसमें छह गाँठें होती हैं 11. सुमेरु पर्वत 12. इंद्र की पुरी 13. अमरावती 14. भारत का एक पुत्र 15. दधीचि का एक पुत्र 16. जैनों के नौ बलदेवों में से एक।

सुदर्शन चूर्ण पुं. (तत्.) हरड़, बहेड़ा आदि 52 द्रव्यों को एक भाग लेकर चूर्ण करके, उसका आधा चिरायता का चूर्ण मिलाने से बना एक उत्तम चूर्ण जो विविध रोगों को नाशक और सभी प्रकार के ज्वरों का शामक होता है।

सुदर्शन पाणि पुं. (तत्.) विष्णु जिनके हाथ में सुदर्शन नामक चक्र रहता है।

सुदर्शना स्त्री. (तत्.) 1. रूपवती स्त्री, सुंदर नारी 2. शुक्ल पक्ष की रात 3. कमलों का सरोवर 4. इंद्र की अमरावती पुरी 5. सोमलता 6. जामुन का पेड़ 7. एक प्रकार की मदिरा 8. आज्ञा 9. चांदनी रात 10. दुर्योधन की एक पुत्री।

सुदर्शनी स्त्री. (तत्.) अमरावती, इंद्रपुरी वि. स्त्री. सुंदरी।

सुदल पुं. (तत्.) 1. अच्छी सेना 2. मुचकुंद 3. अच्छा बड़ा दल 4. मोटर या क्षीर मोटर नामक लता वि. अच्छे दल वाला।

सुदला स्त्री. (तत्.) शालपर्णी, सरिवन, सेवती।

सुदशा स्त्री. (तत्.) अच्छी दशा, उत्तम स्थिति, अनुकूल परिस्थिति, (ज्योतिष) किसी ग्रह की शुभ दशा।

सुदांत वि. (तत्.) अतिशय शांत, खूब सधाया हुआ (जैसे घोड़ा), बहुत अधिक सुशील पुं. शाक्य मुनि का एक शिष्य, एक प्रकार की समाधि।

सुदाऊ पुं. (देश.) सुदाँव, अपने अनुकूल दाँव।

सुदामा वि. (तत्.) सुदाता, उदारतापूर्वक प्रभूत मात्रा में देने वाला पुं. 1. बादल 2. पर्वत 3. समुद्र, 4. इंद्र का हाथी ऐरावत 5. एक दरिद्र ब्राह्मण जो श्रीकृष्ण का सखा और सहपाठी था, जिसे श्रीकृष्ण ने ऐश्वर्य वान् बना दिया था 6. एक गंधर्व 7. कंस का एक माली 8. एक जनपद 9. श्री कृष्ण का एक गोप सखा स्त्री. 1. रामायण के अनुसार उत्तर भारत की एक नदी 2. पुराणानुसार स्कंद की एक मातृका।

सुदामिनी स्त्री. (तत्.) विद्युत, सौदामिनी, बिजली।

सुदाय पुं. (तत्.) उत्तम दान, उपहार स्वरूप दिया जाने वाला सुंदर पदार्थ, यज्ञोपवीत संस्कार के समय ब्रह्मचारी को दी जाने वाली भिक्षा, कन्यादान में जामाता आदि को दिया जाने वाला दान-दहेज, उक्त प्रकार का दान करने वाला (माता, पिता आदि)।

सुदारु पुं. (तत्.) देवदारु, देवदार, सरल नामक वृक्ष, विंध्य पर्वत के पारिपात्र खंड का एक नाम, अच्छा काष्ठ।

सुदारुण वि. (तत्.) बहुत भीषण पुं. एक प्रकार का दिव्य या दैवी अस्त्र।

सुदावन पुं. (देश.) सुदामन।

सुदास पुं. (तत्.) 1. एक प्राचीन जनपद 2. वह जो सम्यक् रूप से ईश्वर की आराधना या उपासना करता हो, स्वामिभक्त, सेवापरायण दास।

सुदि स्त्री. (देश.) शुक्ल पक्ष।

सुदिन पुं. (तत्.) अच्छा दिन, मेघ रहित साफ दिन, अनुकूल दिन, सुख-मंगल के दिन, शुभ दिन।

सुदिव वि. (तत्.) बहुत अधिक दीप्तिमान, बहुत चमकीला।

सुदिह वि. (तत्.) बहुत तीखा, धारदार, नुकीला, बहुत चिकना, बहुत उज्ज्वल।

सुदी स्त्री. (तत्.) चांद्र मास का शुक्ल पक्ष।

सुदीक्षा स्त्री. (तत्.) लक्ष्मी।